



॥ इन्द्र देव व्रत कथा ॥

इन्द्र देव पूजा, जो कोई नर करे
सुख संपत्ति धन धान्य से, जीवन सफल
बनावे

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ इन्द्र देव व्रत कथा ॥

प्राचीन समय में एक राज्य में अत्यंत गरीब किसान रहता था। वह बहुत परिश्रमी था, परंतु कई वर्षों से वर्षा न होने के कारण उसकी खेती नष्ट हो गई। परिवार भूखा रहने लगा और पूरे राज्य में अकाल पड़ गया।

सभी लोग दुःखी होकर देवताओं से प्रार्थना करने लगे।

एक दिन उस किसान को एक संत मिले। संत ने कहा—

“यदि तुम श्रद्धा और नियमपूर्वक इन्द्र देव का व्रत और पूजन करोगे, तो वर्षा होगी और तुम्हारे कष्ट दूर होंगे।”

किसान ने संत की बात मान ली। उसने प्रातः स्नान कर स्वच्छ वस्त्र धारण किए, उपवास रखा और पूरे विधि-विधान से इन्द्र देव की पूजा की। उसने दीप, धूप, पुष्प और नैवेद्य अर्पित कर यह प्रार्थना की—

“हे देवराज इन्द्र!

आप वर्षा और जीवन के दाता हैं।

हमारी धरती को जल प्रदान करें और सबके कष्ट दूर करें।”

किसान की सच्ची भक्ति से इन्द्र देव प्रसन्न हुए। कुछ ही समय बाद आकाश में बादल छा गए और जोरदार वर्षा होने लगी। सूखी धरती हरी-भरी हो गई, खेतों में अन्न लहलहाने लगा और राज्य में सुख-समृद्धि लौट आई।

राजा और प्रजा ने मिलकर इन्द्र देव का धन्यवाद किया। उस दिन से लोगों ने श्रद्धा से इन्द्र देव का व्रत करना आरंभ कर दिया।

व्रत का महत्व

वर्षा और कृषि में लाभ की कामना
धन-धान्य और समृद्धि प्राप्ति
संकट और अकाल से रक्षा
मान-सम्मान और सुख की वृद्धि

ब्रत नियम

प्रातः स्नान कर स्वच्छ वस्त्र पहनें।
सात्विक भोजन करें या उपवास रखें।
“ॐ इन्द्राय नमः” मंत्र का जप करें।
कथा सुनकर आरती करें और प्रसाद बाँटें।

ब्रत मंत्र

ॐ इन्द्राय नमः॥

